वर्ष 1 - अंक 86
गुरुवार 27 फरवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

बागेश्वर धाम में सामूहिक विवाह

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी नवदंपतियों को शुभकामनाएं

महिलाओं के सशक्तिकरण पर दिया जोर

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 251 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। खास बात यह रही कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और महिलाओं के उत्थान पर जोर दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अब महिला-विकास से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि संत रविदास, कबीर, मीरा बाई और संत तुकाराम जैसी विभूतियों ने हमेशा समाज में बदलाव लाने का कार्य किया और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की अपील

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस मौके पर महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार और समाज को मिलकर महिलाओं को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। बागेश्वर धाम द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि नवविवाहिताओं को सिलाई मशीन और अन्य जरूरी सामान देकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

राज्य सरकार से 51,000 रुपये की सहायता

इस समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शिरकत की। उन्होंने घोषणा की कि सामूहिक विवाह योजना के तहत राज्य सरकार प्रत्येक नवदंपति को 51,000 रुपये की आर्थिक सहायता देगी, जिससे वे अपना नया जीवन शुरू कर सकें। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने भी इस समारोह को संबोधित किया। धीरेंद्र शास्त्री ने इसे एक सामाजिक सुधार अभियान करार देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से गरीब परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विवाह करने का अवसर मिलता है।

2047 तक विकसित भारत का संकल्प

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि भारत ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है और इसमें महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने सभी महिलाओं से शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। बागेश्वर धाम में हुए इस सामूहिक विवाह समारोह ने सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। जिससे पूरे देश में सकारात्मक संदेश गया।

जयपुर में किडनैप हुआ व्यापारी

या टंटे की जड़ उधारी

प्रदेश के इंदौर में पुलिस ने एक मामला दर्ज किया है। कपड़ा व्यापारी पवन जैन की शिकायत पर जयपुर में उन्हें किडनैप किए जाने का मामला दर्ज किया गया। किडनैप करने वालों ने 300000 फिरौती मांगी है। समाचार लिखे जाने तक पवन जैन मुक्त नहीं हुए हैं परंतु सवाल यह है कि, क्या सचमुच यह एक किडनैपिंग है या फिर उधारी यानी व्यापारिक लेनदेन को लेकर कोई विवाद हुआ है और उधारी की वसूली के लिए आपराधिक धमकी का उपयोग किया गया है।

किडनैपर ने बैंक अकाउंट नंबर दिया

कपड़ा व्यापारी पवन जैन की पत्नी आरती मंगलवार को थाने पहुंची। पुलिस को बताया- पति पवन जैन 19 फरवरी से जयपुर गए हैं। उनसे मोबाइल पर दिन में दो-तीन बार बात हो रही थी। मंगलवार सुबह उनके मोबाइल से कॉल आया। जब फोन उठाया तो किसी दूसरे युवक ने बात की। कहा कि हमने पवन का अपहरण कर लिया है। बाद में उसने पति पवन से भी बात कराई। इसके बाद पवन के हाथ से मोबाइल छीनते हुए कहा कि मैं तुम्हें अकाउंट नंबर दे रहा हूं, उसमें तीन लाख रुपए जमा करा दो।

पवन जैन पचोर के रहने वाले हैं

आरती ने बताया- बदमाश ने धमकी देते हुए कहा कि रुपए नहीं दिए और पुलिस से शिकायत की तो पति की हत्या कर देंगे। पवन मूलतः राजगढ़ के पचोर का रहने वाला है। एक बेटा और एक बेटी हैं। महिला की शिकायत पर पुलिस ने पवन जैन का मोबाइल सर्विलांस पर डाल दिया है। एक टीम जयपुर के लिए रवाना कर दी गई है। एसीपी विवेक सिंह का कहना है कि अभी तक उन्हें इस मामले में जानकारी नहीं है। यह पूरा घटनाक्रम कुछ प्रश्नों को भी जन्म देता है। जिसका उत्तर मिलना आवश्यक है। यदि पवन जैन को बंधक बनाने वाले सचमुच अपराधी है तो यह गंभीर चिंता का विषय है लेकिन यदि आरोपी भी जयपुर के व्यापारी है तो बात थोड़ी सी बदल जाती है। सबसे बड़ा सवाल कि सिर्फ 3 लाख फिरौती क्यों मांगी गई। श्रीमती पवन जैन ने एक तरफ मामला दर्ज करवाया है तो दूसरी तरफ मीडिया से बात करने से इनकार कर दिया, ऐसा क्यों। इंदौर पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। एसीपी विवेक सिंह के पास तो मामले की डिटेल तक नहीं थी, ऐसा क्यों। किडनैप करने वाले ने अपना बैंक अकाउंट नंबर क्यों दिया। व्यापारियों के मामले में अफसर उधारी की वसूली को लेकर इस तरह की लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। व्यापार के दौरान कई बार विश्वास के आधार पर बिना कोई कानूनी लिखा पड़ी के उधारी का लेनदेन हो जाता है। बाद में जब हिसाब किताब होता है तो झगड़ा बन जाता है। सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि, इस घटना में ऐसा कोई एंगल तो नहीं है।

नवनिर्वाचित महापौर और 70 पार्षदों का शपथ

ग्रहण समारोह,CM विष्णुदेव साय समेत कई बड़े नेता होंगे कार्यक्रम में शामिल

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे और 70 पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 3 बजे सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में आयोजित होगा. शपथ ग्रहण समारोह को लेकर नगर निगम प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है. इस भव्य समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे शपथ ग्रहण समारोह में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम अध्यक्ष होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे. इसके अलावा, मंत्री केदार कश्यप, रामविचार नेताम, ओ.पी. चौधरी, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी समारोह में शामिल होंगे विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, आरंग विधायक एवं अनुसूचित जाति प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब और अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू उपस्थित रहेंगे।

MP में पत्रकारों के छीने जा रहे मोबाइल

देवास में कोटवार ने छीना फोन, तो तहसीलदार बोले, 'वह मेरा आदमी है'

मध्य प्रदेश में जन सरोकार से जुड़ी बातों को जनता तक पहुंचाने वाले मीडियाकर्मी निशाने पर हैं. ताजा मामला देवास कलेक्ट्रेट ऑफिस का है, जहां मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान कोटवार ने मीडियाकर्मी का मोबाइल फोन छीन लिया. मीडियाकर्मी की गलती इतनी थी कि वह जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था. शासकीय कर्मचारी ने वीडियो बना रहे मीडियाकर्मी का फोन छीन लिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रत्येक मंगलवार को हमेशा की तरह कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई चल रही थी.जिले भर से आए वहां जमा थे और अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जनसुनवाई शुरू ही होने वाली थी कि इसी दौरान वहां मौजूद शासकीय कर्मचारी ने वीडियो बना रहे मीडियाकर्मी का फोन छीन लिया.

जनसुनवाई शुरू होने से पहले मीडिया कर्मी से पूछी गई उसकी पहचान

मीडियाकर्मी का मोबाइल फोन छीनने वाले कर्मचारी ने जनसुनवाई की कार्यवाही शुरू होने से पहले मीडियाकर्मी से अपनी पहचान बताने को कहा और जैसे ही कंफर्म हुआ कि वो मीडियाकर्मी है, उसने आव न देखा ताव, पत्रकार का मोबाइल छीना और फेंक दिया. पता चला कि शासकीय कर्मचारी कोटवार शराब के नशे में कलेक्टर ऑफिस में पहुंचा था।

उदयनी विभाग के अधिकारी ने छीना था NDTV के कैमरामैन का मोबाइल

गौरतलब है कलेक्टर ऋतुराज के राज में लगातार पत्रकारों के मोबाइल छीने जा रहे हैं. यह दूसरी बार है जब जनसुनवाई की कार्यवाही के दौरान किसी मीडियाकर्मी को निशान बनाया गया है. गत 28 जनवरी को उदयनी विभाग के अधिकारी ने एनडीटीवी के कैमरामैन का मोबाइल छीना था, लेकिन अधिकारी मामले में लीपापोती कर बच निकलते हैं।

सरपंच पति फरार

गिरफ्तारी वारंटी आरोपी प्रदीप रावल चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

देवास। हाटपीपल्या थाना पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में फरार गिरफ्तारी वारंटी आरोपी सरपंच पति प्रदीप पिता नारायण रावल निवासी ग्राम नेवरी थाना हाटपीपल्या जिला देवास को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय उज्जैन के समक्ष पेश किया। जिला पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा 01 नवम्बर 2024 से सम्पूर्ण जिलें मे ऑपरेशन हवालत की शुरूआत की गई है। जिसके अंतर्गत लंबे समय से फरार इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही गंभीर अपराधों मे फरार आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम थाना हाटपीपल्या द्वारा संबंधी प्रकरण क्रमांक 649/18 धारा 138 एनआईए के उक्त प्रकरण का आरोपी फरार था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एच.एन. बाथम के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक (बागली) सृष्टि भार्गव के निर्देशन में थाना प्रभारी हाटपीपल्या अभिनव शुक्ला एवं चौकी प्रभारी नेवरी उ.नि. हर्ष चौधरी के नेतृत्व में ऑपरेशन हवालात के तहत विशेष टीम गठित की थी। जो कि मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रत्यनशील थी। दिनांक 24.02.2025 को पुलिस को पुख्ता सूचना मिली फरार गिरफ्तारी वारंटी आरोपी को देवास में देखा गया है। जिस पर तत्काल पुलिस अधीक्षक ने आरोपी की धरपकड़ हेतु टीम को रवाना किया। उक्त टीम ने सफलता पूर्वक गिरफ्तारी वारंटी आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय उज्जैन के समक्ष पेश किया।

मप्र के नेमावर में नर्मदा नदी के तट पर बिना नींव के बना हैं प्राचीन सिद्धनाथ मंदिर

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व को अपने में समेटे नर्मदा किनारे स्थित सिद्धनाथ मंदिर स्थित है। वशिष्ठ संहिता के अनुसार यहां के शिवलिंग की स्थापना ब्रह्माजी के मानसपुत्रों सनकादिक ऋषियों ने की थी। स्कंद पुराण में भी इस मंदिर का वर्णन है। पद्मपुराण में बताया गया कि यह स्वयंसिद्ध शिवलिंग है। पूजन-अर्चन से विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

रेवाखंड के 1362 श्लोक में वर्णित है कि यहां अभिषेक करने से वाजपेय यज्ञ का फल प्राप्त होता है। द्वापर काल से भी मंदिर का नाता जोड़ा जाता है। मंदिर बगैर नींव का है। इसकी पुष्टि करीब 40 वर्ष पूर्व उत्खनन में हुई थी। मंदिर का मौजूदा स्वरूप 11वीं सदी में परमार राजाओं द्वारा प्रदान किया गया है।

मंदिर पूर्णतः पाषाण से निर्मित है तथा भूतल से 80 फीट ऊंचाई तक है। इसके निर्माण में नीलाभ व पीलाभ बालुकामय पत्थरों का उपयोग किया गया है। मंदिर के आंतरिक एवं बाह्य भाग में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियों का अंकन किया गया है। महंत गजानंद पुरी ने बताया गाय के गोबर व बेल फल, हवन में उपयोग में आने वाली सामग्री से भस्म तैयार कर आरती की जाती है। महाशिवरात्रि पर भगवान सिद्धनाथ का दूल्हा रूप में महाशृंगार किया जाता है शिवलिंग पर सवा मन की अष्टधातु के मुखौटे को रखकर, हीरा, मोती, पन्ना, पुष्प आदि का उपयोग कर शृंगार किया जाता है। इस छबीना रूप के दर्शन वर्ष में एक बार ही भक्तों को होते हैं।

पौराणिक रहस्य से परिपूर्ण कर्णेश्वर महादेव मंदिर

प्राचीन श्रीकर्णेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। मंदिर के गौरवपूर्ण इतिहास व पौराणिक महत्व के चलते यहां सालभर लोग आते हैं। मंदिर के पुजारी पं. हेमंत दुबे के मुताबिक मंदिर के बारे में बताया जाता है कि यह मंदिर कौरव-पांडवकालीन है। ऐसा कहा जाता है कि मंदिर का मुख पहले पूर्व दिशा में। कुंती बालू के शिवलिंग बनाकर पूजन कर रही थी। इस बीच पांचों पांडव आए और माता कुंती से पूछा कि आप बालू के शिवलिंग की पूजा क्यों करती हो, तब कुंती ने कहा कि अपने यहां पर मंदिर नहीं होने से बालू के शिवलिंग बनाकर पूजा कर रही हूं जो मंदिर यहां है वह तुम्हारे बड़े भाइयों के हैं। यह सुनकर पांचों भाई मां के पास से चले और मंदिर के मुख्य द्वार को पूर्व से पश्चिम की ओर कर दिया। मंदिर में पांच गुफाएं हैं जो कि मंदिर में ही स्थित है। एक गुफा में माताजी का स्थान है। मान्यता है कि माता के समक्ष एक गर्म तेल का कड़ाव रहा करता था। उस गरम तेल में दानवीर राजा कर्ण अपनी आहुति दिया करते थे और आहुति के बाद स्वयं देवी माता अमृत के छींटे देकर राजा कर्ण को जीवन प्रदान करती थीं। साथ ही देवी अक्षत वृक्ष से सवा मन सोना निकालकर राजा कर्ण को देती थीं। सोना लेकर दानवीर राजा कर्ण कर्णेश्वर महादेव मंदिर में भिक्षुओं को दान किया करते थे। दानवीर राजा कर्ण के नाम पर ही इस नगर का नाम कर्णपुरी तथा कालांतर में यह करनावद नगर के नाम से प्रसिद्ध है। प्राचीन कर्णेश्वर महादेव मंदिर के गर्भ गृह में एक प्राचीन शिवलिंग एवं शिव परिवार की मूर्ति विराजित है। पौराणिक मंदिर होने के बाद भी शासन-प्रशासन का ध्यान इस मंदिर की ओर नहीं है। नगरवासियों के सहयोग से ही यहां पर रखरखाव हो रहा है और आयोजन होते हैं।

उत्साह और उल्लास का पर्व आ गया विश्व प्रसिद्ध है भगोरिया हाट

ढोल मांदल की थाप पर पारंपरिक वेशभूषा में थिरकेंगे लोग

भगोरिया पर्व की शुरुआत राजा भोज ने शुरू की थी...

उत्सव सोनी

झाबुआ : सात दिन तक चलने वाला यह मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र झाबुआ धार, मध्य प्रदेश के, खरगोन, अलीराजपुर, जैसे क्षेत्र में विशेष रूप से मनाया जाता है। होली के मौके पर आदिवासी बहुल इलाके में लगने वाले भगौरिया पर्व के मौके पर इसका नजारा आज भी देखने को मिलता है।, सामाजिक सद्भाव के अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं। ये परंपरा कई साल से चली आ रही है और इसका मतलब भी बाकी जगहें के होली के त्योहार मनाने से काफी अलग है।

कैसे हुई थी भगोरिया हाट की शुरुआत...

इतिहासकार डॉ. केके त्रिवेदी के अनुसार लोक संस्कृति के उत्सव भगोरिया का इतिहास करीब साढ़े चार सौ साल पुराना है। झाबुआ जिले के छोटे से गांव भगोर जिसे भृगु ऋषि की तपोस्थली कहा जाता है, वहां से शुरू होकर ये आदिम उल्लास का उत्सव मालवा में रतलाम तक तो निमाड़ में कुक्षी, बड़वानी से लेकर खरगोन तक पहुंच गया। इस तरह से भगोरिया उत्सव का शुभारंभ हुआ।

आदिवासी समाज का प्रमुख त्यौहार हे...

भगोरिया महोत्सव आदिवासी समुदाय का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। मान्यता है कि भगोरिया पर्व की शुरुआत राजा भोज ने शुरू की थी। उस समय दो भील राजा कासूमरा और बालून ने अपनी राजधानी में भगोर मेले का आयोजन किया था। धीरे-धीरे आस-पास के भील राजाओं ने भी इन्हीं का अनुसरण करना शुरू किया, इस हाट और मेले को भगोरिया कहने का चलन बन गया।

राजनीतिक दल भी भगोरिए में करते हे शक्ति प्रदर्शन...

आदिवासी अंचल के प्रमुख पर्व को लेकर राजनेता भी पीछे नहीं हे प्रमुख राजनीतिक दल सैकड़ों मांदल के साथ बड़ी बड़ी रेलियां इस भगोरिया हाट में निकालकर शक्ति प्रदर्शन करते हे। जिसमे ज्यादा ढोल होते हे उस नेता का प्रदर्शन बेहतर माना जाता हे। राजनेता इस दौरान लोगों को होली की बधाई भी देते हे और उनके साथ जमकर थिरकते भी हे। झाबुआ जिले में भगोरिया हाट मेला 07 मार्च से 13 मार्च तक रहेगा, जो कि इस प्रकार है।

» 07 मार्च शुक्रवार- मसूरिया, भगोर, मांडली, बेकल्दा, कालीदेवी

» 08 मार्च शनिवार- खवासा, मेघनगर, राणापुर, बामनिया, झकनावदा, रातिमालि, चोखवाड़ा

» 09 मार्च रविवार- झाबुआ, ढोलियावाड़, रायपुरिया, काकनवानी, आम्बा, चुड़ेली

» 10 मार्च सोमवार- पेटलावद, रंभापुर, मोहनकोट, बेडावा, कुंदनपुर, कल्मोड़ा, ढोचका, आमलिया, रजला

» 11 मार्च मंगलवार- अंधरवाड़ा, पिटोल, खयंडू, थांदला, तारखेड़ी, बरवेट

» 12 मार्च बुधवार- कल्याणपुरा, कंजवानी, उमरकोट, माछलिया, करवड़, बोडायता, मदरानी, ढेकल

» 13 मार्च गुरुवार- पारा, हरिनगर, सारंगी, समोई, चैनपुरा

शिवपुरी में 10 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

बामौरकलां ले जा रहा था गांजे की खेप; पिता भी तस्करी में पकड़ा जा चुका है

रणजीत टाइम्स (ऋषि गोस्वामी)

शिवपुरी। जिले की खनियाधाना पुलिस ने एक तस्कर को 10 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक से गांजे की खेप लेकर बामोरकलां जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा। जब्त किए गए गांजे और बाइक की कीमत लगभग 2.5 लाख रुपए आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि विनीश लोधी नामक व्यक्ति गांजा बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस ने बुधना नदी के पास पिछोर रोड पर नाकाबंदी कर दी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनीश लोधी (25) निवासी ग्राम करारखेड़ा मजरा उमरगढ़ा बताया।

10 किलो गांजा बरामद

तलाशी लेने पर आरोपी की बाइक से 10 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में विनीश ने बताया कि वह गांजा बामौरकलां में 3500 रुपए प्रति किलो की दर से बेचने जा रहा था। एसडीओपी शर्मा ने बताया कि आरोपी के पिता बृजेश लोधी को भी पिछोर पुलिस पहले ही गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। उनके खेत में उगाई गई गांजे की फसल भी जब्त की जा चुकी है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को गांजा सप्लाई किया है और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह तो नहीं है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वार्ड क्रमांक 9 मैं भव्य शिव बारात निकाल ली गई बारात का स्वागत कृष्ण लॉन्ड्री के मालिक गुड्डू भैया जी द्वारा फल प्रसाद वितरण कर किया गया इंदौर वार्ड क्रमांक 9 पेन जान कॉलोनी में भव्य शिव बारात निकाल ली गई यात्रा का भव्य स्वागत कृष्ण लॉन्ड्री के मालिक गुड्डू भैया जी द्वारा फल वितरण कर किया गया यात्रा में हजारों की संख्या में शिव भक्त उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया

आदित्य शर्मा, 8224951278

सहसंपादक रणजीत टाइम्स

धार रोड ग्राम सिहासा चोराहे पर महाशिवरात्रि के उपलक्ष में शिव मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राधेश्याम पटेल युवा नेता की टीम द्वारा साबूदाना खिचड़ी वितरण की गई वही बड़ी संख्या में भक्तगण साबूदाना खिचड़ी प्रसादी का रसपान करने पहुंचे इस अवसर पर दिलीप पटेल जिला पंचायत सदस्य.मुकेश यादव जनपद सदस्य.नारायण चौहान सरपंच. राणा भीमसिंह राठौड़.भारत शुक्ला.अर्जुन राठौड़ उपसरपंच.सहित बड़ी तादाद में श्रद्धालु मौजूद रहे।

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजिम कुंभ कल्प के समापन अवसर पर शामिल हुए

राजिम कुंभ कल्प मेला-स्थल को सुव्यवस्थित और भव्य बनाएंगे - मुख्यमंत्री श्री साय

राजिम। त्रिवेणी संगम राजिम के पावन तट पर नवीन मेला मैदान राजिम-चौबेबांधा में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के भव्य समापन अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक चलने वाले 15 दिवसीय राजिम कुंभ कल्प के समापन अवसर पर मुख्य मंच में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं मौजूद अतिथियों और संतों ने भगवान राजीव लोचन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया। साथ ही प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्री राजीव लोचन, कुलेश्वर महादेव, राजिम दाई, छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता की जयकारे के साथ उद्बोधन की शुरुआत की। उन्होंने महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि राजीवलोचन और कुलेश्वर भगवान से प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। वर्ष 2005 में हमारी सरकार द्वारा त्रिवेणी संगम में कुंभ की शुरुआत की गई। पिछले 5 साल में स्वरूप बदल गया था। वर्ष 2023 में सरकार बनते ही स्वरूप पहले जैसे आ गया। सरकार गठन के दूसरी साल कुंभ आयोजन हो रहा। नए मेले मैदान में 54 एकड़ में क्षेत्र मेला का भव्य आयोजन हुआ। आगे भी इसी मैदान में मेला होगी। हम इस स्थल को संवारेंगे और सजाएंगे। राजिम कुंभ कल्प माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक चलता है। यहां साधु संतों का आगमन होता है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। हम इसे उनके सुझाव अनुसार और भी भव्य बनायेंगे। 144 साल के बाद प्रयागराज में महाकुंभ के समापन साथ राजिम कुंभ कल्प का भी समापन हो रहा है। यह हमारे लिए गौरव का विषय है। महाकुंभ में 70 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। इतनी बड़ी आबादी चीन के अलावा किसी देश की आबादी नहीं है। यह देश के लिए बड़ी सौभाग्य की बात है। पवित्र स्नान करके लोगों ने सौभाग्य प्राप्त किए। प्रयागराज में साढ़े चार एकड़ जमीन में छत्तीसगढ़ पवेलियन का निर्माण किया गया था। वहां छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए भोजन रहने की व्यस्था की गई थी। जिसमें 25 हजार लोगों ने भोजन किया। यहां की व्यवस्था देख कर मुझे खुशी हुई। प्रशासन के प्रयास से भव्य रूप से आयोजन किया गया। आगे भी हम विश्वास दिलाते हैं कि आयोजन भव्य और दिव्य होगा। उन्होंने सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन सहित इसमें जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी

को हमारी सरकार सायं-सायं पूरा कर रही है। धान खरीदी, आवास, भूमिहीन मजदूरों को तेंदूपत्ता खरीदी आदि योजनाओं के माध्यम से जनता की सेवा का पुण्य कार्य कर रहे हैं।

जिले के प्रभारी मंत्री एवं खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने महाशिवरात्रि पर्व की बधाई देते हुए कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला एक ऐतिहासिक मेला है। इसकी भव्यता बढ़ती जा रही है। ये छत्तीसगढ़ के लिए एक धरोहर साबित हो रहा है। यहां हमें संतों का आशीर्वाद मिला है। मेला की भव्यता और विकास के लिए मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया। कुंभ कल्प के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी कर्मचारी को धन्यवाद दिया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमारे सनातन धर्म को आगे बढ़ाया है। हमारा सौभाग्य है कि आज की पीढ़ी श्री राम मंदिर को बनते देखे हैं। हमारी इस सनातन धर्म में विदेशियों के कई आक्रमण हुए, जिससे वह खंडित हुई है। हमें संकल्प लेना है कि देश-दुनिया में अपनी संस्कृति को फैलाना है। नदी, प्रकृति और अपने क्षेत्र को हमेशा स्वच्छ रखना है। उन्होंने कहा कि 144 बाद महाकुंभ में पुण्य स्नान का अवसर मिला। 13 फरवरी को मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि राजिम मेला की यह प्राचीन परंपरा रही है। राजिम कुंभ कल्प को नवीन मेला मैदान में प्रारंभ करने का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री को है। उन्होंने कहा कि आज लोगों में राजिम कुंभ के प्रति उत्साह जागृत हुई है। राजिम कुंभ में सनातन संस्कृति को जगाने का काम किया है। अपने धर्म के प्रति श्रद्धा के भाव बढ़े हैं। संत समागम के दौरान संतों का आशीर्वाद लोगों को मिला है। आज इस मैदान में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 227 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ है, जो बहुत ही सरायनीय कार्य है। कहा कि आने वाले समय में राजिम कुंभ कल्प का आयोजन बहुत ही दिव्यता एवं भव्यता के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम को अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू ने भी संबोधित किया।

महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज ने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे और उनकी पहली पूजा महाशिवरात्रि में हुई थी। शिव पर जल, दूध, बेल पत्ता, वासना, विकारों को चढ़ाना चाहिए, तभी शिवरात्रि की सार्थकता साबित हो सकती है। इस अवसर पर स्वामी राजीव लोचन महाराज ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल आयोजन नहीं यह एक समायोजन है। छोटे को बड़ा करना दैवीय कार्य है। यही कार्य मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने की, जो आज राजिम कुंभ कल्प को 54 एकड़ पर लाकर उसे भव्य और व्यापक बनाया। इसके लिए मैं उन्हें साधुवाद देता हूं।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन एवं जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप, कुरूद विधायक श्री अजय चंद्राकर, राजिम विधायक श्री रोहित साहू, बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल, अभनपुर विधायक श्री इंद्र कुमार साहू, पूर्व सांसद श्री चंदूलाल साहू, श्री रामप्रताप सिंह, धर्मस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, रायपुर आयुक्त श्री महादेव कावरे, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के एमडी श्री विवेक आचार्य, गरियाबंद कलेक्टर श्री दीपक कुमार अग्रवाल महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरी महाराज, राजेश्री महंत राम सुंदरदास महाराज, स्वामी राजीव लोचनदास महाराज, महंत नरेंद्र दास महाराज, साध्वी महंत प्रज्ञा भारती, स्वामी गंगादास उदासीन महाराज, साध्वी अरुणा भारती, स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद अक्रिय जी महाराज, स्वामी जालेश्वर महाराज जी, स्वामी अखिलेशानंद जी, महंत त्रिवेणी दास महाराज, संत कौशलेंद्र रामजी महाराज, संत विचार साहेब महाराज, महंत रविकर साहेब, नारायण भाई प्रजापिता ब्रह्मकुमार, पुष्पा बहन प्रजापिता ब्रह्मकुमारी, हेमा बहन ब्रह्मकुमारी, स्वामी अखिलेशानंद, बाल योगिनी जयश्री माता, महंत अनुसुइया दास सहित साधु-संतों की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

समाप्त हुआ 144 साल बाद आयोजित हुआ विशेष, भव्य, दिव्य महाकुंभ!

महाकुंभ में बने कई महारिकॉर्ड... सराह रही दुनिया !

महारिकॉर्ड-1 : श्रद्धालु अमेरिका की आबादी से दोगुने 64 करोड़ लोग महाकुंभ पहुंचे।

महारिकॉर्ड-2 : इन्फ्रास्ट्रक्चर 4 हजार हेक्टेयर का महाकुंभ क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम से 160 गुना बड़ा।

महारिकॉर्ड-3 : कुंभ सिटी 4 लाख से ज्यादा तंबू और 1.5 लाख टॉयलेट बने।

महारिकॉर्ड-4 : ट्रांसपोर्टेशन 13,830 ट्रेनों से पहुंचे 30.2 करोड़ श्रद्धालु इस दौरान 2,800 से ज्यादा फ्लाइट्स प्रयागराज पहुंचीं, जिसमें 4.5 लाख श्रद्धालुओं ने यात्रा की।

महारिकॉर्ड-5 : सिक्योरिटी 50 हजार सुरक्षाकर्मी और 2700 कैमरों से महाकुंभ की सुरक्षा।

महारिकॉर्ड-6 : हेल्थ मेला क्षेत्र में 43 हॉस्पिटल बने 6 लाख लोगों का इलाज किया गया।

महारिकॉर्ड-7 : स्वच्छता 4 लाख डस्टबिन लगे, 11 हजार कर्मियों ने सफाई की, हर 25 मीटर पर एक डस्टबिन।

महारिकॉर्ड-8 : कारोबार मेला क्षेत्र में 3 लाख करोड़ के लेन-देन का अनुमान।

पुणे में बस में 26 वर्षीय महिला से रेप, आरोपी पर दर्ज है डकैती के केस

राज रेड्डी शिवाजी इनगर पुणे

पुणे के स्वर्गेट एसटी बस स्टैंड पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना घटी, जहां बस के अंदर 26 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया. स्वर्गेट पुलिस मामले की जांच कर रही है. संदिग्ध की पहचान दत्तात्रेय रामदास गाडे के रूप में हुई है, जो लगभग 35 वर्षीय है और शिकारपुर का निवासी है, उसके खिलाफ पहले भी दो डकैती के मामले दर्ज हैं. पुलिस के अनुसार, पीड़िता सुबह करीब 5:30 बजे बस स्टैंड पर अपने गृहनगर फलटन जाने के इरादे से पहुंची थी. गाडे ने कथित तौर पर उसे गुमराह किया, यह दावा करते हुए कि फलटन जाने वाली बस एक अलग प्लेटफॉर्म से रवाना होगी और उसे एक सुनसान बस में अपने साथ चलने के लिए राजी किया. मंद रोशनी वाली बस के अंदर जाने के बाद, उसने कथित तौर पर दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की. हमले के बाद, महिला पहले तो फलटन के लिए रवाना हुई, लेकिन बीच रास्ते से ही वापस लौटने का फैसला किया और घटना की सूचना स्वर्गेट पुलिस स्टेशन को दी. जवाब में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने तुरंत बस स्टैंड से सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिससे संदिग्ध की पहचान हो गई. गाडे का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए आठ पुलिस टीमें तैनात की गई हैं. इस घटना ने पुणे के निवासियों में आक्रोश पैदा कर दिया है, जिससे सार्वजनिक परिवहन केंद्रों पर सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं. शहर का व्यस्ततम परिवहन केंद्र, स्वर्गेट बस डिपो, पूरे दिन भीड़भाड़ वाला रहता है. यात्रियों, खासकर शिक्षा और रोजगार के लिए यात्रा करने वाली महिलाओं ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि सार्वजनिक स्थान पर ऐसा अपराध हो सकता है।

एमपी में सहकारिता के क्षेत्र में 2305 करोड़ के MoU, सांची दुग्ध संघ और NDDB के बीच अनुबंध

प्रवेश सिंह

भोपालःग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के दौरान मध्य प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में भी निवेश करने के लिए उद्योगपतियों ने खासी रुचि दिखाई है. मंगलवार को जीआईएस में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग की उपस्थिति में 2305 करोड़ रुपये के 19 एमओयू साइन हुए हैं. इसके साथ ही नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड(एनडीडीबी) और मध्य प्रदेश स्टेट डेयरी को-ऑपरेटिव फेडरेशन के बीच प्रदेश में संचालित 6 सांची दुग्ध संघों के संचालन को लेकर अनुबंध हुआ है।

सीपीपीपी मॉडल पर होगा काम

मध्य प्रदेश में सीपीपीपी यानि कोऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर काम होगा. मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि "समिट में पहली बार सहकारिता क्षेत्र का विशेष सत्र किया गया है. सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना की जाएगी. रिलायंस, वैद्यनाथ जैसी बड़ी कंपनियां सहकारिता क्षेत्र में निवेश करेंगी।

इन बिंदुओं पर सांची और बोर्ड के बीच अनुबंध

अधिकारियों ने बताया कि सांची और एनडीडीबी के बीच प्रमुख 7 बिंदुओं पर अनुबंध हुआ है. इसमें सहकारी समितियों को मजबूत बनाने के साथ इससे जुड़े लोगों को एनडीडीबी प्रशिक्षण दिलाएगा. बोर्ड ही सभी दुग्ध संघों के प्लांट को अपग्रेड करेगा. दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखना होगा. दुग्ध संघों के क्षेत्र में उपयुक्त विपणन प्रणाली लागू की जाएगी. ग्वालियर और जबलपुर दुग्ध संघ का उन्नयन और रीवा-शहडोल में नए प्लांट लगाए जाएंगे. इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों में भी सांची की ब्रांड बिल्डिंग मजबूत करनी होगी।

सांची का नहीं बदलेगा ब्रांड नेम

सांची दुग्ध संघ के एमडी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि "एनडीडीबी न तो दुग्ध संघों को अपने आधिपत्य में लेगा और न ही ब्रांड सांची के नाम में बदलाव करेगा. पिछले साल सितंबर में भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ भारत सरकार की पशुपालन एवं डेयरी सचिव अल्का उपाध्याय और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आनंद (गुजरात) के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक मीनेश शाह ने बैठक की थी. बैठक में दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण को लेकर चर्चा हुई थी. साथ ही बैठक में मध्य प्रदेश सरकार और एनडीडीबी के बीच एमओयू को लेकर सैद्धांतिक सहमति बनी थी. अब 5 महीने बाद ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में इसका एमओयू साइन हुआ."।

5 साल में दोगुना होगा उत्पादन

सांची दुग्ध संघ के एमडी सतीश कुमार एसने बताया कि एनडीडीबी के कमान संभालने के बाद कच्चे दूध की प्रोसेसिंग करने, पावडर बनाने और अन्य उत्पाद बनाने के लिए अत्याधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापति किया जाएगा. जिसमें एक साथ सभी दुग्ध उत्पादों की प्रोसेसिंग की जा सकेगी. वर्तमान में दूध के विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रोसेसिंग की जाती है. अभी एनडीडीबी के अधिकारी संघ के आय-व्यय और व्यवस्थाओं की जानकारी ले रहे हैं. यहां के कर्मचारियों की जानकारी भी जुटा रहे हैं."।

कई दुग्ध संघों को कर्ज से उबार चुका है एनडीडीबी

बता दें कि एनडीडीबी को कर्ज में फंसे दुग्ध संघों को उबारने में महारत हासिल है. बोर्ड कई दुग्ध संघों को घाटे से उबार चुका है और कुछ संघों को वापस संचालन का अधिकार दिया गया है. इससे पहले एनडीडीबी ने राजस्थान, जलगांव, झारखंड, असम, वाराणसी और विदर्भ समेत कई दुग्ध संघों को घाटे से उबारकर मुनाफे में लाया है. इसी वजह से एमपी सरकार सांची दुग्ध संघ की कमान एनडीडीबी को सौंपने जा रही है।

7 बड़े शहरों को जोड़ेगी एमपी की नई वंदेभारत , 160 किमी की रफ़्तार की दरकार

मध्यप्रदेश में राज्य और देश के प्रमुख शहरों के बीच फास्ट कनेक्टिविटी पर खास ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए कुछ प्रचलित व कुछ प्रस्तावित योजनाएं भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, शाजापुर को जोडक़र वृहद परियोजना यानि मेट्रोपोलिटिन सिटी बनाने का विजन दिया है। इस परिकल्पना में उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को केंद्रित रखते हुए उज्जैन और इंदौर के साथ ही आसपास के शहरों में रफ़्तार बढ़ाने के लिए तीन प्रमुख प्रोजेक्ट बनाए गए हैं। इंदौर उज्जैन सिक्सलेन व मेट्रो के साथ ही वंदेभारत सर्किल ट्रेन इसमें अहम भूमिका निभाएगी। खास बात यह है कि प्रस्तावित नई वंदेभारत उज्जैन को अनेक प्रमुख शहरों से 160 किमी की स्पीड से जोड़ देगी इंदौर, उज्जैन और देवास सहित कई जिलों को मेट्रो क्लस्टर की तरह विकसित किया जा रहा है। इसके लिए कनेक्टिविटी और बेहतर करने प्रयास के अंतर्गत अहम प्रोजेक्ट चल रहे हैं। एक से दूसरे शहर में पहुंच की स्पीड बढ़ाई जा रही है। एमपी की तीर्थ नगरी उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद रोज औसतन 1.25 लाख लोग आ रहे हैं। यहां 2028 में सिंहस्थ का आयोजन भी किया जाना है। ऐसे में देशभर से उज्जैन आने जाने के लिए रेल सुविधाओं में इजाफा करने की जरूरत जताई जा रही है जिसके लिए सबसे ज्यादा डिमांड वंदेभारत Vande Bharat एक्सप्रेस ट्रेनों की हो रही है। महाकाल दर्शन के लिए आनेवाले भक्तों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय सांसद अनिल फिरोजिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष कई ट्रेनों के प्रस्ताव रखे हैं। जिन ट्रेनों की मंजूरी मांगी गई है उनमें वंदेभारत Vande Bharat सर्किल ट्रेन भी शामिल है।

सांसद ने उज्जैन के लिए देवास-इंदौर-फतेहाबाद-बड़नगर-रतलाम-नागदा-होते हुए वंदे भारत Vande Bharat मेट्रो सर्किल ट्रेन चलाने की मांग की है। यह ट्रेन पूरे क्षेत्र के यात्रियों के लिए अत्यधिक सुविधाजनक साबित होगी। रेल मंत्री से मुलाकात के बाद सांसद अनिल फिरोजिया ने एक बार फिर वरिष्ठ अधिकारियों से इन प्रस्तावों पर बात की है। वंदे भारत मेट्रो सर्किल ट्रेन उज्जैन सहित 7 प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। इससे देवास, इंदौर, फतेहाबाद, बड़नगर, रतलाम, नागदा और उज्जैन का सफर सुलभ और आसान हो जाएगा।

विष्णुदेव साय ने भगवान श्री राजीव लोचन की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भगवान श्री राजीव लोचन मंदिर में आज पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने त्रिवेणी संगम में स्थित भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक कर छत्तीसगढ़ की उन्नति और प्रगति की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है।

महानदी मैया की महाआरती में हुए शामिल

राजिम कुंभ कल्प के अंतर्गत आयोजित महानदी मैया की भव्य महाआरती में मुख्यमंत्री श्री साय मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के मध्य विधि-विधान से शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने महानदी मैया से प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन एवं जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप, राजिम विधायक श्री रोहित साहू, बसना विधायक श्री संपत अग्रवाल तथा अन्य गणमान्य नागरिक, संत महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे।